छठ पर्व | छठ पूजा में की भगवान सूर्य की उपासना

सूर्य को अर्ध्य देकर तोड़ा व्रत, मांगा सुख-शांति का वरदान

मंडला 27 अक्टूबर नभाप्र. उत्तर भारत में मनाए जाने वाला महापर्व छठ मंडला में भी विगत कई वर्षों से लगातार मनाया जा रहा है। रपटा घाट पर यहां के निवासी सभी परिवार के लोग एकत्रित होकर पूजा-अर्चना करते हैं। छठ की शाम सूर्यास्त के समय सूर्य को अर्ध्य देने के बाद अगले दिन अलसुबह उगते सूर्य को अर्ध्य देकर निर्जला व्रत महिलाओं ने तोड़ा। पहले दिन नहाए खाए दूसरे दिन खरना और फिर तीसरे दिन सूर्य की पूजा के बाद चौथे दिन निकलते सूर्य को अर्ध्य देकर इसका समापन किया गया। बताया गया कि महिलाएं अपने पुत्र की मंगल कामना और घर में सुख शांति के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। पहले दिन खीर खाकर उपवास शुरू करती हैं और अंतिम दिन उगते सूरज को अर्ध्य देने के बाद गन्ना या गुड़ खाकर पानी पीने के बाद वह अपना व्रत तोड़ती हैं। पूजा-अर्चना के बाद सूर्य देव की सभी ने महाआरती की गई।

सूर्य उपासना का पर्व सूर्य षष्ठी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर नर्मदा घाट में छठ पूजन के लिए शाम 4 बजे के बाद से भीड़ शुरू होने लगी थी। सूर्य अस्त का समय होते-होते सैकड़ों की संख्या में रपटा घाट सहित अन्य घाटों में श्रद्धालु पहुंच गए थे। यहां इन्होंने विधि-विधान के साथ भगवान सूर्य का पूजन अर्चन किया गया और सूर्य भगवान को अर्ध्य देकर सुख, शांति, समृद्धि का आशीर्वाद लिया। बैंड बाजा के साथ नाचे-झूमते हुए पहुंचे नर्मदा तट में छठ पूजन के लिए रपटाघाट में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। जिनमें कई तो बैंड-बाजा के साथ सिर में पूजन सामग्री रखे झूमते हुए जा रहे थे। नर्मदा तट में पहुंचकर यहां गन्ने का मंडप तैयार किया गया। इसके बाद फूल, प्रसाद, फल, पान के साथ नर्मदा जी और सूर्य भगवान का पूजन किया गया। पूजन के दौरान ढलते सूरज को अर्ध्य दिया गया। पूजन में सभी प्रकार के मौसमी फलों के साथ इस समय होने वाली हरी सब्जियों को भी पूजन सामग्री में शामिल किया गया था। नर्मदा जल में खड़े होकर पुरोहितों द्वारा मंत्रोच्चारण के बीच भगवान सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है। जिनकी मनोकामना पूरी होती है वे बाजे गाजे के साथ गन्ने का मंडप सजाकर पहुंचते हैं।

महिलाओं के साथ पुरुष भी रखते हैं व्रत

बताया गया कि यह व्रत महिलाओं के साथ ही पुरुष भी करते हैं। पूजन करने पहुंचे लोगों ने बताया कि छठ पूजन चार दिनों तक चलता है। दिन भर व्रत रखने के बाद शाम को पूजन कर फलाहार किया जाता है। पूजन में ठेकुआ (जो कि मैदा, आटा शक्कर से बनाया जाता है) भगवान को अर्पित किया जाता है। इसके साथ ही खीर का भोग भी लगाया जाता है। आज उगते सूर्य का पूजन करने के बाद ही जल गृहण किया जाएगा।

11 मोतियाबिंद मरीजों को मिला नई रोशनी का सहारा

राष्ट्रीय दृष्टि विहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के तहत नारायणगंज में आयोजित नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

मंडला 27 अक्टूबर नभाप्र. राष्ट्रीय दृष्टि विहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज में सोमवार को सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल के मार्गदर्शन में एक दिवसीय नि:शुल्क नेत्र जांच परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र रोगों, विशेषकर मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों की पहचान कर उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध कराना था। नि:शुल्क शिविर में नेत्र चिकित्सा सहायक जयकरण चौधरी द्वारा 15 मरीजों की जांच की गई। जांच के दौरान इनमें से 11 मरीज मोतियाबिंद से ग्रसित मिले। इन चिन्हित मरीजों को तत्काल सर्जरी के लिए रैफर किया गया। जानकारी अनुसार नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में चिंहित किए गए सभी 11 मोतियाबिंद मरीजों को बिना किसी विलंब के संचालित 108 एम्बुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय मंडला भेजा गया। जिला चिकित्सालय में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. तरूण अहरवाल द्वारा इन मरीजों की मोतियाबिंद सर्जरी की जाएगी। सीएचसी नारायणगंज सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल ने बताया कि बताया कि मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद चश्मा और दवाइयां भी पूर्णत: नि:शुल्क प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही सर्जरी के बाद मरीजों को वापस नारायणगंज तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए वाहन की नि:शुल्क व्यवस्था भी की जाएगी।

3 नबंवर को लगेगा शिविर

नेत्र चिकित्सा सहायक जयकरण चौधरी ने बताया कि लोगों की सुविधा के लिए अगला नि:शुल्क नेत्र जांच परीक्षण शिविर आगामी 3 नबंवर सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के सभी लोगों से अपील की है कि इस नि: शुल्क शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं, जिससे कोई भी नेत्र रोग से ग्रसित व्यक्ति उपचार से वंचित न रहे।

108 एम्बुलेंस से सर्जरी के लिए भेजा

बताया गया कि आयोजित नि:शुल्क नेत्र शिविर में 11 मरीजों को नई रोशनी मिली है। इन चिहिन्त मरीजों को 108 एम्बुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय मंडला भेजा गया। जिसमें रामदयाल 80 निवासी कोबरीखुर्द, हीरालाल 70 वर्ष निवासी कोबरी खुर्द, शिवरतिया बाई 50 वर्ष निवासी ग्राम कछारी, कोदू लाल 80 वर्ष ग्राम माढ़ोगढ़, सुभ्रदा बाई 70 वर्ष निवासी माड़ोगढ़, जुनिया बाई 64 वर्ष निवासी ग्राम माड़ोगढ़, प्यारी बाई 64 वर्ष निवासी माड़ोगढ़, दोभन सिंह 47 वर्ष निवासी बीजेगांव, कलिया बाई 50 वर्ष सहजनी, करन 65 वर्ष निवासी पदमी, हिमतो बाई 50 वर्ष निवासी कुम्हा को सर्जरी के लिए रवाना हुए।

मवई स्वास्थ्य केंद्र में संवेदनहीनता की हद, पीएम के लिए गरीब परिवार से छह हजार ऐंठे

रतन सिंह बैंगा की मौत के बाद गहराया सवाल, कब सुधरेगी क्षेत्र की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था

मवई 27 अक्टूबर नभाप्र. मवई क्षेत्र के अमवार निवासी रतन सिंह बैंगा की असमय मौत के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जहां एक तरफ विगत दिवस 22 अक्टूबर को पानी में डूबने से मृतक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा, वहीं दूसरी तरफ मवई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के दौरान एक निजी स्वीपर द्वारा छह हजार रूपए लेने का शर्मनाक मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मवई ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

जानकारी अनुसार अमवार निवासी बुधन बाई धुर्वे बैगा के पुत्र रतन सिंह बैंगा की 22 अक्टूबर को पानी में डूबने से मौत हो गई थी, जिनका शव लगातार खोज के बाद मिला। शव मिलने के बाद जब परिजन पोस्टमार्टम के लिए मवई स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, तो वहां तैनात एक प्राइवेट स्वीपर ने उनसे पीएम प्रक्रिया पूरी करने के नाम पर 6 हजार रूपए की मांग की। परिजनों का कहना है कि उनकी आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है, जिसके चलते यह राशि जुटाना असंभव था। अंतत: गांव के लोगों ने आपस में चंदा कर 6 हजार रूपए एकत्र किए, जिसके बाद ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू हो सकी। पीड़ित परिवार ने कहा सरकार जहां प्रदेश के अंतिम छोर के व्यक्ति तक योजनाओं के लाभ पहुंचने का दावा करती है, वहीं जमीनी सच्चाई कुछ और ही बयां करती है। ग्रामीणों ने बताया कि मवई स्वास्थ्य केंद्र में स्वीपर का पद कई वर्षों से खाली पड़ा है, बावजूद इसके अब तक सरकार की ओर से कोई स्थायी नियुक्ति नहीं की गई है। पहाड़ी और वनांचल क्षेत्र होने के कारण यहां के लोग पहले ही कठिनाइयों का सामना करते हैं, और स्वास्थ्य केंद्र में कर्मचारियों की कमी से उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मवई ने इस गंभीर मामले पर तत्काल कार्रवाई और क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने की मांग की है।

जिला जेल के बंदी अजीत पटेल की इलाज के दौरान मौत

- ब्लड बैंक में एबी पॉजिटिव ब्लड नहीं मिलने पर उठे सवाल
- मृतक में खून की कमी और हृदय रोग के प्राथमिक लक्षण
- सीएमएचओ ने पोस्टमार्टम के बाद कार्रवाई का दिया आश्वासन

मंडला 27 अक्टूबर नभाप्र. जिला जेल मंडला से इलाज के लिए लाए गए 36 वर्षीय बंदी मरीज अजीत पटेल की सोमवार दोपहर जिला चिकित्सालय मंडला में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। जेल आरक्षक भूपत सिंह द्वारा मरीज अजीत पटेल को सुबह 11.41 बजे मेडिसिन ओपीडी में लाया गया था। मरीज को सांस लेने में कठिनाई, पूरे शरीर में सूजन, कमजोरी और घबराहट की शिकायत थी। प्राथमिक जांच में उसकी स्थिति गंभीर पाए जाने पर तुरंत आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया। जाँच में मरीज में खून की कमी और ईसीजी में गंभीर कमियां पाई गईं। उसकी वाइटल कंडीशन अत्यंत खराब होने के कारण तत्काल ब्लड ट्रांसफ्यूजन के लिए ब्लड बैंक से संपर्क किया गया, लेकिन मरीज का रक्त समूह एबी पॉजिटिव ब्लड बैंक में उपलब्ध नहीं हो पाया। आईसीयू में लगातार उपचार के बावजूद मरीज की अत्यधिक गंभीर स्थिति के कारण उसे मेडिकल कॉलेज जबलपुर के लिए रेफर किया गया। हालांकि दोपहर 3.40 बजे रेफरल प्रक्रिया के दौरान ही मरीज की मृत्यु हो गई। सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्राथमिक दृष्टि से ऐसा प्रतीत होता है कि बंदी मरीज अजीत पटेल की मृत्यु खून की कमी और हृदय रोग के कारण हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय स्थित शव गृह में रखा गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पोस्टमार्टम के बाद मृत्यु का स्पष्ट कारण पता लगने पर आगे की नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

परिक्रमा एक यात्रा नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और ईश्वर से साक्षात्कार का माध्यम : दादा गुरु

- अखिल भारतीय संत 5 नवंबर से ओंकारेश्वर से करेंगे नर्मदा पदयात्रा का शुभारंभ

निवास 27 अक्टूबर नभाप्र. निवास नगर में सोमवार का दिन अध्यात्म और भक्ति की छटा से सराबोर रहा। प्रख्यात संत दादा गुरु भैया जी सरकार के आगमन पर श्रद्धालुओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। रसलगंज यज्ञ शाला कॉलोनी के श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा, नारियल वंदन और जयघोषों के साथ उनका भावपूर्ण स्वागत किया, जिससे वातावरण भक्तिमय बन गया। दादा गुरु का काफिला इसके बाद नगर के शतचंडी मैदान पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहले से ही उपस्थित थे। मंच पर पहुंचते ही हर-हर नर्मदे के जयघोष गूंज उठे।

दादा गुरु ने अपने आशीर्वचन में माँ नर्मदा की महिमा का वर्णन करते हुए निवास नगर की महत्ता बताई। उन्होंने कहा कि जहाँ देवताओं का होता है वास, उसका नाम निवास है। आप लोग बड़े भाग्यशाली हैं कि आपको इस पवित्र स्थल के दर्शन हुए। उन्होंने कहा कि नर्मदा परिक्रमा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और ईश्वर से साक्षात्कार का माध्यम है। उन्होंने नर्मदा को समस्त सृष्टि की जीवनदायिनी शक्ति बताते हुए कहा कि जो भी श्रद्धाभाव से उनकी परिक्रमा करता है, उसके संपूर्ण कुल का कल्याण होता है।

दादा गुरु पिछले पांच वर्षों से कर रहे जल ग्रहण

दादा गुरु एक प्रख्यात संत, साधक और समाजसेवी हैं, जिन्होंने पिछले लगभग पांच वर्षों से अन्न का त्याग कर रखा है और केवल माँ नर्मदा का पवित्र जल ही ग्रहण करते हैं। वे अपने प्रवचनों में लोगों को सत्य, सेवा और नशामुक्ति का संदेश देते हैं। उनके आशीर्वचन सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। उनके सान्निध्य में पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। आशीर्वचन के बाद दादा गुरु का काफिला अमरकंटक की ओर रवाना हो गया। बताया गया है कि 5 नवंबर से ओंकारेश्वर से दादा गुरु की पावन नर्मदा पदयात्रा का शुभारंभ होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे।

मंडला में पहली बार आ रहे द ग्रेट खली, रक्तवीरों का करेंगे सम्मान

द ग्रेट खली 29 को मंडला में, युवा शक्ति संगम रक्तदान शिविर की तैयारी

मंडला 27 अक्टूबर नभाप्र. अंतर्राष्ट्रीय रेसलर द ग्रेट खली का 29 अक्टूबर को मंडला में पहली बार आगमन हो रहा है। द ग्रेट खली कटरा में आयोजित युवा शक्ति संगम रक्तदान शिविर कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

कार्यक्रम के संयोजक अजय वंशकार ने बताया कि इस आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। प्रात: 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होने वाले शिविर में लगभग 500 लोगों के रक्तदान करने का अनुमान है। द ग्रेट खली मंच से रक्तदाताओं से चर्चा करेंगे और उनका सम्मान भी करेंगे।

बताया गया कि युवाओं में खली के आगमन को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से भव्य स्वागत के साथ उन्हें मंडला लाया जाएगा। भारतीय सेवा विकास परिषद द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को अनुशासन पूर्वक सफल बनाने के लिए व्यवस्था की गई है, जिसके तहत कार्यक्रम स्थल में केवल पास धारी व्यक्तियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में नजर आएंगे।

संगठन के विस्तार के लिए अखिलेश को मिली जिला संयोजक की जिम्मेदारी

मंडला 27 अक्टूबर नभाप्र. भारत रक्षा मंच, महाकौशल प्रांत जिला मंडला की बैठक आयोजित की गई। जिसमें राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं मध्यक्षेत्र प्रमुख एचपी तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में संगठन के उद्देश्यों और भविष्य की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। बताया गया कि संगठन लंबे समय से देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून, समान नागरिक संहिता कानून लागू करने और हिंदू राष्ट्र के निर्माण के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत रहा है। इन्हीं उद्देश्यों को और मजबूत बनाने के लिए मंडला जिले में यह बैठक आयोजित की गई। राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने जिले में संगठन के विस्तार को गति देने के लिए जिले के संगठन संयोजक का पद अखिलेश सोनी को सौंपते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी। उम्मीद जताई गई है कि अखिलेश सोनी के नेतृत्व में मंडला में भारत रक्षा मंच का कार्य तेजी से आगे बढ़ेगा और लोगों को संगठन से जोड़ा जाएगा। बैठक में रंजीत कछवाहा, किशोर रजक, विजय अग्रवाल, अशोक सोनी, राजेश छत्री सहित कई अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

युवक की बेरहमी से पिटाई, वीडियो वायरल

मंडला 27 अक्टूबर नभाप्र. मंडला जिले के सेमरखापा गांव में रविवार को आयोजित मड़ई मेले के दौरान एक शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां चार से पांच युवकों ने मिलकर एक अन्य युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना के वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि हमलावर युवक पर लात-घूंसे और मुक्कों से लगातार हमला कर रहे हैं। पिटाई से युवक बुरी तरह घायल हो गया। यह पूरी घटना मेले के बीच हुई। बताया गया कि पिटाई के दौरान घटना स्थल पर सैकड़ों लोग आसपास मौजूद थे, लेकिन किसी ने भी पीड़ित युवक को बचाने का प्रयास नहीं किया। वे सभी केवल तमाशबीन बने रहे और युवक को लगातार पिटते देखते रहे।

हेल्पलाईन-9713644800

संघर्ष रंग लाया | मंडला में रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए 31 अक्टूबर को संघर्ष समिति की अहम बैठक

पेंचवेली ट्रेन मंडला फोर्ट के प्लेटफॉर्म-2 पर पहुंची, जल्द होगा अमृत स्टेशन का उद्घाटन

मंडला 27 अक्टूबर नभाप्र. मंडला रेलवे संघर्ष समिति का वर्षों पुराना संघर्ष अब रंग ला रहा है। ब्रॉडगेज लाइन बनने के बाद ट्रेन संचालन की मांग को लेकर लगातार चल रहा आंदोलन सफल होता दिख रहा है। वर्ष 2024-25 में भी समिति ने कई बार ज्ञापन और आंदोलन किए, जिसके परिणामस्वरूप अब पेंचवेली एक्सप्रेस मंडला फोर्ट के प्लेटफॉर्म क्रमांक 02 पर पहुंची है। इस सफलता से संघर्ष समिति के सदस्यों और जिले के नागरिकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। समिति के सदस्यों ने बताया कि जल्द ही नवंबर माह में मंडला फोर्ट स्टेशन पर अमृत स्टेशन योजना के तहत किए गए विकास कार्यों का उद्घाटन किया जाना है। संभावना जताई जा रही है कि इसी दौरान यानी 18 नवंबर को ट्रेन संचालन को हरी झंडी दिखाई जा सकती है। संघर्ष समिति ने जिले के सभी जन-प्रतिनिधियों, सांसद, मंत्री और विधायकों से अपील की है कि वे इस जनहित के मुद्दे पर एकजुट होकर रेलवे प्रशासन के साथ खड़े हों, जिससे ट्रेन का संचालन जल्द से जल्द शुरू हो सके और जिले के लोगों को इसका लाभ मिल सके।

31 अक्टूबर को महत्वपूर्ण बैठक

रेल सुविधाओं के विस्तार की अगली रणनीति पर विचार-विमर्श करने के लिए संघर्ष समिति के सदस्यों ने 31 अक्टूबर को एक महत्वपूर्ण बैठक रखने का निर्णय लिया है। इस बैठक में सभी समाजों के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है और उनसे आवेदन, ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की अपील की गई है जिससे जन-समर्थन को मजबूत हो सके।

ये है प्रमुख मांगों के साथ सौंपेंगे ज्ञापन

जल्द ही पेंचवेली ट्रेन के नियमित चालू होने की उम्मीद के साथ ज्ञापन में प्रमुख मांगों को शामिल किया गया है। जिसमें मंडला में वाशिंग डिपो की स्थापना। मंडला फोर्ट से घंसौर तक नवीन रेलमार्ग का निर्माण। मंडला फोर्ट से जबलपुर तक सीधी ट्रेन सेवा। मंडला फोर्ट से नागपुर तक सीधी ट्रेन सेवा की मांग की जाएगी। समिति का कहना है कि इन नवीन रेलमार्गों के बनने से आदिवासी बाहुल्य जिले मंडला की दूरी कम होगी, जिससे लोगों का समय बचेगा और उन्हें बेहतर परिवहन सुविधा मिल सकेगी।